

# समक्ष :माननीय राजस्व मंडल म0प्र0 ग्वालियर

शीट / 3117-I-15

अपील प्रकरण क्रमांक

/2015 जिला जवलपुर

सुखराज ठाकुर पुत्र श्री दुलीचंद ठाकुर निवासी  
प्लाट नं0 97 मनीराम का बगीचा , गोराबाजार  
जवलपुर म0प्र0 ।

.....अपीलार्थी

श्री. श्रीमती वि. ए. मासु  
द्वारा आज दि. 17-11-15 को  
प्रस्तुत

कलेक्टर ऑफ कोर्ट 15  
राजस्व मंडल म.प्र. ग्वालियर

विरुद्ध

1. मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर जिला जवलपुर ।
2. नरेन्द्र सिंह ठाकुर पुत्र श्री द्वारका सिंह ठाकुर निवासी  
412 गोतम की मढिया हनुमान मंदिर के बगल में बीर  
सावरकर वार्ड गढा जिला जवलपुर म.प्र.

.....प्रत्यार्थीगण

श्रीमती वि. ए. मासु  
17.11.15  
राजस्व मंडल म.प्र. ग्वालियर

न्यायालय कलेक्टर , जिला जवलपुर द्वारा प्रकरण क्र  
399/अ-21/2013-2014 में पारित आदेश दिनांक 26.10.2015 के  
विरुद्ध मध्य प्रदेश भू - राज्य संहिता की धारा 44 के अधीन अपील ।

माननीय महोदय ,

सेवा में अपीलार्थी की ओर से निवेदन निम्न प्रकार है :-

1. यहकि, अधीनस्थ न्यायालय का आदेश अवैध अनुचित एवं विधि के उपबन्धों के प्रतिकूल होने से अपास्त किये जाने योग्य है।
2. यहकि, अधीनस्थ विचारण न्यायालय के समक्ष अपीलार्थी द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया । कि ग्राम मोजा जमुनिया की भूमि खसरा नं0 153/2,183/2,184/2,192 एवं 193 का रकबा क्रमशः 0.060 हेक्टर, 0.080 हेक्टर 0.300 हे., 0.310, हेक्टर 0.0960 हेक्टर कुल रकबा 1.710 हेक्टर आवेदक की स्वयं की निजी कृषि भूमि है जो उबड़ खावड़ पथरीली है जिससे उसमें फसल पैदा नहीं हो पाती ऐसी स्थिति में उक्त भूमि को विक्रय कर वह अन्य उपजाऊ अच्छी भूमि कय कर अपना भरण पोषण करना चाहता है इस हेतु प्रत्यर्थी से अनुबंध किया है ऐसी स्थिति में उसे भूमि विक्रय की अनुमति दी जावे ।

Ray

Xxxix(a)-BR(H)-11

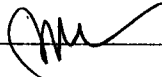
राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक A37IV/II /2015

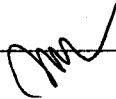
जिला.....जबलपुर

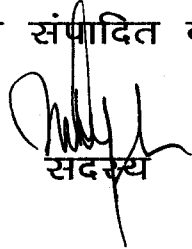
स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि.के हस्ता.
20.11.15	<p>अपीलार्थी के अभिभाषक के तर्क श्रवण किये गये तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया। अपीलार्थी के अभिभाषक ने बताया कि कलेक्टर जिला जबलपुर को आवेदन प्रस्तुत कर मौजा जमुनिया स्थित निजी भूमि सर्वे क्रमांक 153 रकबा 0.060 हैक्टर, 2183 रकबा 0.080 हैक्टर, 2184 रकबा 0.300 हैक्टर, 2192 रकबा 0.310 हैक्टर, 193 रकबा 0.960 हैक्टर कुल किता 5 कुल रकबा 1.710 हैक्टर के विक्रय की अनुमति मांगी थी। कलेक्टर जबलपुर ने प्रकरण क्रमांक 399/अ-21/2013-14 दर्ज करके अनुविभागीय अधिकारी जबलपुर से जांच कराने का निर्णय लिया , जब अनुविभागीय अधिकारी जबलपुर से जांच प्रतिवेदन प्राप्त हो गया, कलेक्टर द्वारा अपीलांट को कोई सूचना नहीं दी एवं किसी अन्य अधिकारी ने कलेक्टर की आर्डरशीट लिख दी और उसी आर्डरशीट को सत्य मानकर कलेक्टर द्वारा अपीलांट का विक्रय अनुमति आवेदन का प्रकरण अनुपस्थित मानकर निरस्त कर दिया। इस प्रकार अपीलांट के साथ न्याय नहीं किया गया है इसलिये अपीलांट के निजी स्वत्व की भूमि के विक्रय की</p>	

4/1



स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि.के हस्ता.
	<p>अनुमति प्रदान की जावे।</p> <p>2/ अपीलांट के अभिभाषक के तर्कों पर विचार किया गया तथा अभिलेख का अवलोकन किया गया। प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से यह तथ्य निर्विवाद है कि अपीलार्थी द्वारा निजी स्वत्व की भूमि सर्वे क्रमांक 153, 2183, 2184, 2192, 193 कुल किता 5 कुल रकबा 1.710 हैक्टर के विक्रय की अनुमति कलेक्टर जबलपुर से मांगी है एवं बताया गया है कि उक्तांकित भूमि निजी भूमि है शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि नहीं है। कलेक्टर जबलपुर के समक्ष अपीलांट द्वारा प्रस्तुत आवेदन में बताया गया है कि विक्रय की जाने वाली उबड़-खाबड़ एवं पथरीली भूमि है जिसे वह विक्रय करके प्राप्त धन से उसके स्वामित्व की अन्य भूमि को अधिक उपजाऊ बनाने एवं सिंचाई का साधन बढ़ायेगा।</p> <p>3/ कलेक्टर जबलपुर के प्रकरण क्रमांक 399/ अ-21/ 2013-14 में पारित आदेश दिनांक 26-10-15 के अवलोकन से स्पष्ट है कि उन्होंने अपीलांट पर सूचना पत्र तामील होने के बाद उपस्थित न होने से प्रकरण अदम पैरबी में निरस्त</p>	



स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि.के हस्ता.
१२	<p>2. केता से विक्रेता को शासन द्वारा निर्धारित गाईड लायन के मान से विक्रय मूल्य प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं - उप पंजीयक सत्यापन उपरांत ही विक्रय पत्र संपादित करेंगे।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	